

हो जाना, उड़ने योग्य हो जाना; पर नहीं मार सकना- प्रवेश न कर सकना, पैर न रख सकना, फटक न पाना।

पर वि. (तत्.) 1. दूसरा, अन्य, अपने को छोड़ शेष 2. गैर, पराया **यथा-** परथीड़ा, परउपदेश, परोपकार आदि 3. भिन्न, जुदा, अतिरिक्त 4. पीछे का, बाद का, उत्तर 5. सीमा से परे, बाहर 6. शत्रु, दुश्मन, बैरी 7. शिव 8. ब्रह्मा 9. ब्रह्मा 10. मोक्ष 11. गुण और कर्म की वृत्ति या सत्ता 12. ब्रह्मा की आयु **अल.** सप्तमी या अधिकरण कारक का चिह्न **यथा-** घर पर रहना, कुर्सी पर बैठो, छत पर रहो।

परई पुं. (देश.) 1. मिट्टी का बड़ा कसोरा, दीए के आकार से बड़ा मिट्टी का बरतन 2. पारा।

परकटा वि. (फा.) जिसके पंख काटे गए हो, कट गए हो।

परकना अ.क्रि. (देश.) 1. परचना, हिलना-मिलना 2. चसका लगाना, किसी विषय या वस्तु के लिए ठीठ बनना।

परकाज पुं. (तद्.) दूसरे का कार्य, परकारज।

परकाना स.क्रि. (देश.) 1. परचाना, किसी बात का चसका लगाना 2. अभ्यास डालना।

परकाय पुं. (तत्.) एक अन्य का शरीर, दूसरे का शरीर।

परकाय-प्रवेश पुं. (तत्.) अपनी आत्मा को दूसरे के शरीर में प्रवेश कराने की योग साधना, एक प्रकार की सिद्धि।

परकार पुं. (फा.) वृत्त बनाने या गोलाई बनाने का उपकरण।

परकाला पुं. (तद्.) 1 सीढ़ी, जीना 2. चौखट, दहलीज (फा.) 1. टुकड़ा, खंड 2. शीशे का टुकड़ा 3. अग्निकण, चिंगारी।

परकिय वि. (तद्.) दे. परकीय, दूसरे का, पराया।

परकिया स्त्री. (तद्.) 1. नायिका भेद के अंतर्गत नायिका का एक प्रकार 2. ऐसी नायिका जो गुप्त रूप से परपुरुष से प्रेम करे।

परकीय वि. (तत्.) दूसरे का, दूसरे से संबद्ध, पराया।

परकीया स्त्री. (तत्.) 1. अपने पति के अतिरिक्त किसी एक परपुरुष की प्रेमपात्र 2. किसी परपुरुष से प्रेम संबंध रखने वाली स्त्री 3. नायिकाओं के तीन प्रधान भेदों में से एक; स्वकीया, परकीया, सामान्य टि. परकीया नायिका के शास्त्र में छह भेद किए गए हैं- गुप्ता, विदग्धा, लक्षिता, कुलटा, अनुशयना तथा मुदिता।

परकीर्ति स्त्री. (तत्.) दूसरे का यश, दूसरे की कीर्ति।

परकोटा पुं. (तद्.) 1. किसी किले, गढ़ या स्थान की रक्षा हेतु चारों ओर उठाई गई दीवार 2. पानी की रोक हेतु तैयार की गई दीवार या बाँध 3. एक प्रकार की ऊँची और बड़ी चहारदीवारी।

परक्रमण पुं. (तत्.) 1. परिक्रमा, प्रदक्षिण।

परख स्त्री. (तद्.) किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण-दोष देखने की क्रिया, जाँच, परखने की क्रिया, परीक्षा। **यथा,** सोने की परख जौहरी को ही होती है।

परखचा पुं. (देश.) टुकड़ा, खंड, विभाग। **यथा;** परखचे उड़ाना: खंड-खंड करना, धज्जियाँ उड़ाना।

परखना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी वस्तु या व्यक्ति के गुण-दोषों की अच्छी तरह जाँच या परख करना। परीक्षा करना **यथा-** सोना परखना, संकट में मित्र को परखना आदि 2. प्रतीक्षा करना, इंतजार करना, आसरा देखना, राह देखना।

परखवैया पुं. (देश.) परखने वाला, जाँचने वाला, पहचान रखने वाला।

परखाई स्त्री. (देश.) 1. परखने का कार्य 2. परखने की मजदूरी।

परखाना, परखवाना स.क्रि. (देश.) 1. किसी दूसरे से परख कराना, जाँच करना, परीक्षा कराना,